आचार्य कृपलानी

drishtiias.com/hindi/printpdf/acharya-kriplani

हाल ही में प्रधानमंत्री ने **आचार्य कृपलानी** को उनकी जयंती (11 नवंबर) पर श्रद्धांजलि दी।

प्रमुख बिंदु

- **परिचय:**
  - उनका जन्म **11 नवंबर,1888 को सिंध (हैदराबाद)** में हुआ था।
  - उनका मूल नाम **जीवतराम भगवानदास कृपलानी** था, लेकिन उन्हें आचार्य कृपलानी के नाम से जाना जाता था। वह एक **स्वतंत्रता सेनानी, भारतीय राजनीतिज्ञ** और **शिक्षाविद्** थे।
- **शिक्षाविद्:**
  - वर्ष 1912 से 1927 तक उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में पूरी तरह से शामिल होने से पूर्व विभिन्न स्थानों पर अध्यापन का कार्य किया।
  - वर्ष 1922 के आसपास जब वे महात्मा गांधी द्वारा स्थापित गुजरात विद्यापीठ में अध्यापन कर रहे थे, तब उन्हें **'आचार्य' उपनाम** प्राप्त हुआ।
- **एक पर्यावरणविद्:**

  कृपलानी जी विनोबा भावे के साथ 1970 के दशक में पर्यावरण के संरक्षण एवं बचाव गतिविधियों में शामिल थे।
- **स्वतंत्रता सेनानी:**
  - वह **असहयोग आंदोलन** (1920-22) और **सविनय अवज्ञा आंदोलनो** (1930 में शुरू) और **भारत छोड़ो आंदोलन** (1942) का हिस्सा रहे।
  - **स्वतंत्रता के समय वे भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस (INC) के अध्यक्ष** थे। उन्होंने भारत की अंतरिम सरकार (1946-1947) और भारत की संविधान सभा में योगदान दिया।

- **राजनीतिक जीवन:**
    - आज़ादी के बाद कॉन्ग्रेस छोड़कर वह **किसान मज़दूर प्रजा पार्टी (KMPP) के संस्थापकों** में से एक बन गए।
    - वह **1952, 1957, 1963 और 1967 में प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के सदस्य** के रूप में लोकसभा के लिये चुने गए।
    - उन्होंने **भारत-चीन युद्ध (1962)** के तुरंत बाद व**र्ष 1963 में लोकसभा में पहली बार अविश्वास प्रस्ताव पेश** किया।
        - **वर्ष 1963** में एक कॉन्ग्रेसी नेता **सुचेता कृपलानी, उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री** बनीं, जो **देश की प्रथम महिला मुख्यमंत्री थीं**, जबकि उनके पति आचार्य कृपलानी कॉन्ग्रेस के विरोधी बने रहे।
    - वह **नेहरू की नीतियों और इंदिरा गांधी के शासन के आलोचक** थे। उन्हें **आपातकाल (1975) के दौरान गिरफ्तार** कर लिया गया था।
- उनकी आत्मकथा **'माई टाइम्स' (My Times)** वर्ष 2004 में मरणोपरांत प्रकाशित हुई।